अध्ययन की पद्धति पर एक टिप्पणी :

अध्ययन के आयाम सैद्धान्तिक व अनुभवमूलक दोनों ही प्रकार के हैं। तदनुसार अध्ययन में यथा सम्भव सैद्धान्तिक व अनुभव मूलक पद्धतियों का समावेश किया जायेगा।

सैद्धान्तिक पक्षों के लिए विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से, विभिन्न प्रतिवेदनों, अध्ययनों, पुस्तकों, शासकीय व गैर शासकीय स्त्रोतों से प्राप्त सामग्री, सामयिक व सैद्धान्तिक लेखों आदि के माध्यम से उपलब्ध तथ्यों व विचारों का विश्लेषण किया जायेगा। इस प्रकार अध्ययन में प्राथमिक व द्वैतीयक दोनों अध्ययन पद्धतियों को उपयोग में लाया जायेगा।

अनुभव मूलक अध्ययन हेतु अजमेर जिले में, नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों से, राजनीतिक महिलाओं का प्रतिदर्श चयन करके प्रश्नावली अनुसूची के माध्यम से उनके दृष्टिकोणों व प्रतिक्रियाओं का संकलन किया जायेगा तथा उनके विश्लेषण के माध्यम से निष्कर्ष निकाले जायेगें।

प्रश्नावली को प्रयोग में लाने हेतु प्रतिदर्श के चयन में यह सतर्कता रखने का प्रयास किया जायेगा कि सभी संवर्गो यथा शासकीय व गैर शासकीय, कार्य–पदस्थिति, सामाजिक पृष्ठभूमि, शहरी व ग्रामीण आदि का प्रतिनिधित्व समानुपातिक रूप में हो सके।

अध्ययन के प्रमुख बिन्दु :

अध्ययन के निम्न प्रमुख चरण रहेगें :

1. राजनीतिक सहभागिता के सैद्धांतिक परिपेक्ष्यों का विश्लेषण।
2. महिला सशक्तिकरण व राजनीतिक सहभागिता के प्रमुख आयामों का विश्लेषण।
3. अजमेर जिले में महिला राजनीतिक सहभागिता के आंकलन के लिये प्रश्नावली के प्रस्तुतीकरण हेतु प्रतिदर्श का चयन।

4. प्रश्नावली के द्वारा तथ्यों का संकलन।

5. तथ्यों का सारणीकरण।

6. तथ्यों का विश्लेषण।

7. निष्कर्ष।